डी.ए.वी. प्रकाशन विभाग
डी.ए.वी. कॉलेज प्रबन्धकर्त्री समिति
चित्रगुप्त मार्ग, नई दिल्ली-110055

भाषा माधुरी

1

भाषा माधुरी

(कक्षा-प्रथम)

डी.ए.वी. प्रकाशन विभाग

डी.ए.वी. कॉलेज प्रबन्धकर्त्री समिति

चित्रगुप्त मार्ग, नई दिल्ली-110055

समन्वयक
डॉ. निशा पेशिन

सहायक
संगीता वधावन
सरिता गोस्वामी

सलाहकार
डॉ. उषा शर्मा

प्रकाशकः
डी.ए.वी. प्रकाशन विभाग
डी.ए.वी. कॉलेज प्रबन्धकर्त्री समिति
चित्रगुप्त मार्ग, नई दिल्ली-110055
दूरभाषः 011-23503500
ई-मेलः dav.publication@davcmc.net.in

पूर्णतया संशोधित संस्करणः जनवरी, 2007

पुनर्मुद्रणः जनवरी, 2023

महत्त्वपूर्ण सूचना

यह पुस्तक केवल डी.ए.वी. कॉलेज प्रबन्धकर्त्री समिति, नई दिल्ली द्वारा प्रबंधित एवं नियंत्रित विद्यालयों में वितरण हेतु प्रकाशित की गई है।

सर्वाधिकार सुरक्षित

- प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना इस प्रकाशन के किसी भाग को छापना तथा इलेक्ट्रॉनिकी, मशीनी, फोटोप्रतिलिपि, रिकॉर्डिंग अथवा किसी अन्य विधि से पुनः प्रयोग पद्धति द्वारा उसका संग्रहण अथवा प्रसारण वर्जित है।
- इस पुस्तक का वितरण मूल आवरण में ही किया जाएगा।
- इस प्रकाशन का सही मूल्य इस पृष्ठ पर मुद्रित है। रबड़ की मुहर अथवा चिपकाई गई पर्ची (स्टीकर) या किसी अन्य विधि द्वारा अंकित कोई भी संशोधित मूल्य गलत है तथा मान्य नहीं होगा।

कला एवं चित्रांकनः
भागीरथी आर्ट स्टूडियो, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली

टाइप सैटिंगः
क्वालिटी प्रिंटर्स, दिल्ली-110032

मुद्रकः
लक्ष्मी प्रिंट इंडिया, 556, जी.टी. रोड, शाहदरा, दिल्ली-110032

मूल्यः ₹ 48.00

प्राक्कथन

डी.ए.वी. कॉलेज प्रबन्धकर्त्री समिति एक सदी से भी अधिक समय से शिक्षा को उपयोगी और सार्थक बनाने के अभियान में लगी हुई है। हम अपने विद्यार्थियों को घोषित उद्देश्यों के अनुरूप शिक्षा प्रदान करते हैं। इस लक्ष्य को पाने के लिए हम विभिन्न विषयों के विद्वानों, शिक्षा-शास्त्रियों, मनोवैज्ञानिकों एवं शिक्षकों के बीच नियमित संवाद आयोजित करते हैं। इस संवाद के द्वारा ही हम विभिन्न स्तरों/कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए पाठ्य-सामग्री का विकास करते हैं। इस पाठ्य-सामग्री को हम वर्तमान सामाजिक चुनौतियों से निपटने में सक्षम तथा स्वस्थ जीवन मूल्यों के प्रति आग्रही बनाने का प्रयत्न करते हैं।

भाषा विशेषतया राष्ट्र भाषा के पठन-पाठन पर हमारा विशेष बल रहा है। भाषा के माध्यम से व्यक्ति जहाँ एक ओर स्वयं को अभिव्यक्त करने में समर्थ होता है, वहीं राष्ट्र भाषा के रूप में उसके द्वारा भावनात्मक एकता का विकास करता है। राष्ट्र भाषा और शिक्षा के प्रति हमारे सरोकार की अभिव्यक्ति *भाषा-माधुरी* पुस्तकमाला में हुई है।

हमारा यह निरन्तर प्रयास रहता है कि विद्यार्थी सहज-स्वाभाविक ढंग से ज्ञान-विज्ञान को अर्जित करे। इसलिए हम उसे पठन-पाठन की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदार बनाने के प्रयत्न करते हैं। डी.ए.वी. शैक्षिक उत्कृष्टता केन्द्र द्वारा विकसित पाठ्य-सामग्री हमारी इस प्रतिबद्धता को प्रस्तुत करती है।

डी.ए.वी. आन्दोलन का एक सक्रिय कार्यकर्त्ता होने के कारण मेरी यह मान्यता है कि यह पुस्तक विद्यार्थियों के व्यक्तित्व के विकास में कारगर सिद्ध होगी।

पूनम सूरी
प्रधान
डी.ए.वी. कॉलेज प्रबन्धकर्त्री समिति

प्रकाशकीय कथन

डी.ए.वी. कॉलेज प्रबन्धकर्त्री समिति देश भर में फैले डी.ए.वी. स्कूलों के विद्यार्थियों के लिये उनकी आयु और मानसिक स्तर के अनुरूप एक समान स्तरीय शिक्षण-सामग्री विकसित कर रही है। इससे विद्यार्थी ज्ञान-विज्ञान की दुनिया में हो रही नई से नई हलचलों से परिचित होते हैं। उन्हें वैविध्यपूर्ण पाठ्य-सामग्री उपलब्ध होती है। विभिन्न क्षेत्रों के डी.ए.वी. स्कूलों के विद्यार्थियों के बीच भावात्मक एकता सुदृढ़ होती है। इस प्रक्रिया के द्वारा राष्ट्रीय एकता के विकास में सहायता मिलती है। विद्यार्थियों में आस्था-युक्त आधुनिक जीवन-मूल्यों का विकास होता है। यह सामग्री सभ्य, समाज, राष्ट्र और विश्व के प्रति वैज्ञानिक दृष्टिकोण के विकास की ओर विद्यार्थियों के अनुभव करने में उपयोगी सिद्ध हो रही है।

डी.ए.वी. कॉलेज प्रबन्धकर्त्री समिति के विभिन्न निकाय इस प्रक्रिया को सम्पन्न करने में एक-दूसरे के निकट सहयोग से कार्य करते हैं। विभिन्न स्कूलों के शिक्षकों, शिक्षा-अधिकारियों, विशेषज्ञों से सहयोग और विचार-विमर्श द्वारा डी.ए.वी. शैक्षिक उत्कृष्टता केन्द्र, शिक्षक, विशेषज्ञ और सम्पादक मिल-जुलकर निर्धारित शिक्षण-सामग्री का निर्धारण करते हैं। पाठ्यचर्या विकास निकाय के मार्गदर्शन में निर्धारित शिक्षण-सामग्री को रूपाकार प्रदान किया जाता है।

प्रकाशन विभाग इस शिक्षण-सामग्री को आकर्षक साज-सज्जा के साथ विद्यार्थियों और शिक्षकों के सम्मुख प्रस्तुत करता है। *भाषा माधुरी* के कार्य को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने के लिये मैं इससे सम्बद्ध सभी व्यक्तियों और निकायों का आभारी हूँ। इस पुस्तक को आकर्षक साज-सज्जा के साथ प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान करने के लिए डी.ए.वी. कॉलेज प्रबन्धकर्त्री समिति के अधिकारियों और इस आन्दोलन के कर्णधारों के प्रति मैं अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता हूँ।

निदेशक

प्रकाशन विभाग

प्रिय शिक्षक,

यह पुस्तक डी.ए.वी. शैक्षिक उत्कृष्टता केन्द्र द्वारा निर्मित कक्षा-प्रथम के लिए पाठ्यक्रम निर्देश के अनुसार बनाई गयी है। वास्तव में यह पुस्तक एक ऐसा माध्यम है जिसके द्वारा हमने विद्यार्थियों को स्वाध्ययन हेतु प्रेरित करने की भरपूर कोशिश की है। साथ ही यह पुस्तक उनके मानसिक विकास में भी सहायक सिद्ध होगी।

इस पुस्तक में निम्नलिखित बातों का ध्यान रखा गया है–

1. वही अध्याय लिए गए हैं जिन्हें बच्चे अपने दैनिक जीवन में प्राय: देखते हैं। इस प्रकार बच्चे सरलता के साथ हर बात को समझ सकते हैं।
2. सभी प्रकार की मात्राओं का ज्ञान कराया गया है। चित्रों का चयन इस तरह किया गया है कि बच्चे आसानी से समझ सकें और मात्राओं का ज्ञान कराने में सहायक सिद्ध हों।
3. सारी पाठ्य-सामग्री क्रमानुसार रखी गई है ताकि बच्चे क्रम-वार अपने ज्ञान में वृद्धि कर सकें अर्थात बच्चे जितना सीखते जाएँ उसके आगे सीखने की उनमें स्वयं लालसा जागृत हो।

हमें पूरा विश्वास है कि यह पुस्तक बच्चों की हिन्दी भाषा के ज्ञान में पूरी तरह से वृद्धि करेगी और ऊपर लिखित उद्देश्यों को प्राप्त कराने में सहायक सिद्ध होगी।

हम आशा करते हैं कि अध्यापक वर्ग तथा अभिभावक अपने सुझाव हम तक पहुँचाएँगे ताकि इस पुस्तक को ज़्यादा आकर्षक व शिक्षाप्रद बनाया जा सके।

डॉ. निशा पेशिन

निदेशक (शैक्षिक)

अनुक्रम

पाठ-क्रम	विषय	पृष्ठ
1.	राजा बेटा	1
2.	अमन	2
3.	समझदार अजय	4
4.	रविवार का दिन	7
5.	दीपावली आई	10
6.	गुड़िया की शादी	13
7.	शाम हुई	15
8.	जादूगर का जादू	17
9.	मेला	20
10.	शैला की मैना	23
11.	होली का दिन	27
12.	कौशल की सालगिरह	30
13.	संजय की पतंग	33
14.	ताँगे वाले की मूँछें	36
15.	परियों की रानी	39
16.	मस्त कलंदर	40
17.	नन्हीं चिड़िया	44
18.	अच्छी परी	45
19.	गुब्बारे वाला	49
20.	योगशाला	50

1. राजा बेटा

सुबह सवेरे जल्दी उठना,
उठकर झटपट मंजन करना।

नियम से पढ़ना, नियम से लिखना,
खेलकूद भी समय से करना।

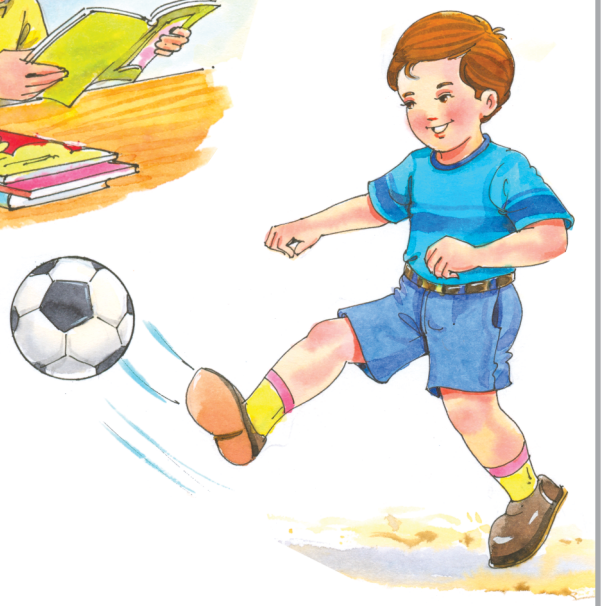

माँ का कहना हरदम सुनना,
ऐसे राजा बेटे बनना।

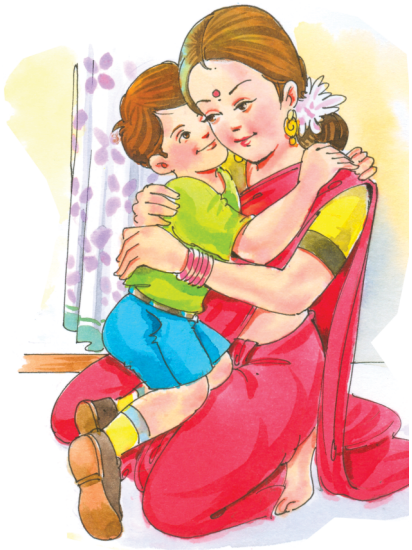

अध्यापन निर्देश–यह कविता छात्रों द्वारा पढ़ने के लिए नहीं है। आप हाव-भाव के साथ इसे पढ़कर बच्चों को सुनाइए। छात्रों के उच्चारण पर विशेष ध्यान दीजिए व उन्हें अच्छी बातों के बारे में भी बताइए।

2. अमन

अमन नटखट मत बन।
सड़क पर मत चल।
डगर-डगर चल।

अमन इधर ठहर।
बरगद पर मत चढ़।
दलदल पर मत चल।
झटपट कमल पकड़।

चल रथ पर चढ़।
अब घर तक चल।

पाठ में से दो, तीन व चार अक्षर वाले कोई तीन शब्द ढूँढकर लिखिए–

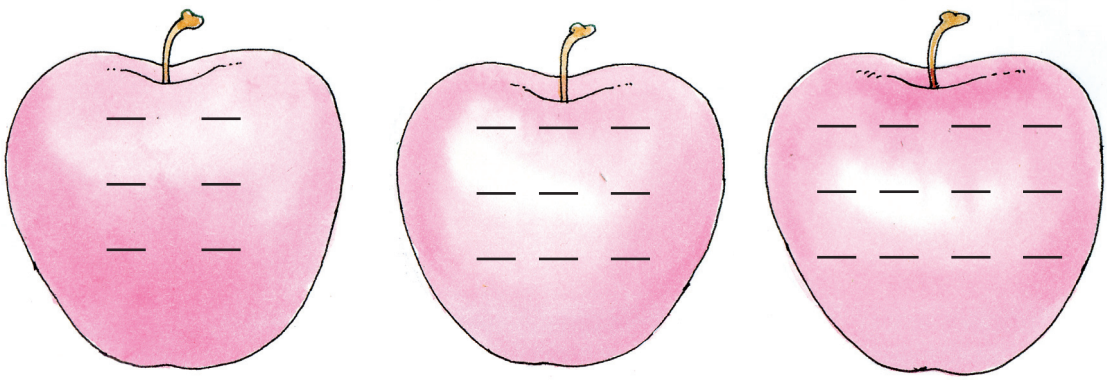

आ (ा) मात्रा वाले शब्द

पढ़िए

चमगादड़

शहनाई

करना, मरना, झरना, डरना, भरना

सजाना, बजाना

बरखा, परखा

नाटक, फाटक

अकड़ा, पकड़ा, जकड़ा

कमला, हमला, गमला

अनाज, समाज

घबराना, लहराना, फहराना

पढ़ाई, बढ़ाई, कढ़ाई

उपहार

पहाड़

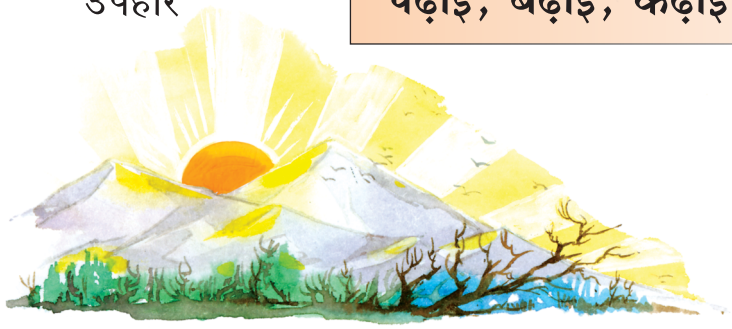

उजाला

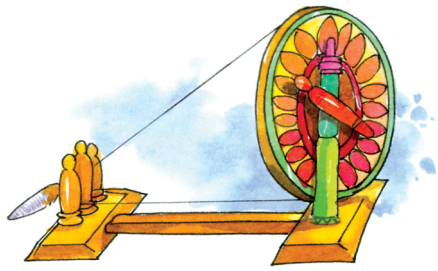

चरखा

अध्यापन निर्देश—पाठ 'समझदार अजय' पढ़ाने से पहले दिए गए शब्दों को चार्ट पेपर पर लिखकर कक्षा में पढ़ने के लिए प्रदर्शित कीजिए। इन शब्दों में आई मात्रा पर विशेष बल दीजिए।

3. समझदार अजय

उजाला छा गया। अजय उठकर उपवन गया।

कसरत कर ताकतवर बना।

अब झटपट घर आया।

माता का कहना माना।

टब लाया। नल चलाया। जल भरा।

हाथ, नाक, कान, बाल साफ़ कर समझदार बना।

अब भगवान का भजन कर अखबार पढ़ा।

गाजर का गरम हलवा खाया।

पाठशाला जाकर पाठ पढ़ा।

अभ्यास

1. **(मौखिक) उत्तर दीजिए–**

   क. अजय उठकर कहाँ गया?

   ख. कसरत करके अजय कैसा बना?

   ग. अजय ने किसका भजन किया?

   घ. अजय क्या-क्या साफ़ करके समझदार बना?

2. **पाठ के आधार पर ठीक शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए–**

   क. _____ छा गया। (उजाला/रात)

   ख. _____ का कहना माना। (माता/लता)

   ग. गाजर का गरम _____ खाया। (आम/हलवा)

   घ. _____ जाकर पाठ पढ़ा। (घर/पाठशाला)

3. **पाठ में शरीर के जिन अंगों के नाम आए हैं, उनकी एक सूची बनाइए–**

   क. _____

   ख. _____

   ग. _____

   घ. _____

(ा) मात्रा के और नए शब्द

ताकत	समझदार	ताजमहल	भगवान	बादशाह	बादाम	सफलता
अखबार	सहायता	उपहार	पाठशाला	गाजर	हलवा	

इ (ि) मात्रा वाले शब्द

पढ़िए

गिलास

बारिश

सिर

बारिश

रवि, कवि, छवि

हिसाब, किताब

धनिया

खिल, दिल, मिल, तिल

टिकट, निकट

हिरण, किरण

किताब

सितार

गिरगिट

पहिया

तकिया

छिलका

डलिया

अध्यापन निर्देश—पाठ 'रविवार का दिन' पढ़ाने से पहले दिए गए शब्दों को चार्ट पेपर पर लिखकर कक्षा में पढ़ने के लिए प्रदर्शित कीजिए। इन शब्दों में आई मात्रा पर विशेष बल दीजिए।

4. रविवार का दिन

रविवार का दिन आया। चिड़िया तिनका पकड़ लाई।
तिनका–तिनका लाकर घर बनाया।
अखिल डलिया भरकर दाना लाया।
चिड़िया दाना खाकर उड़ गई।

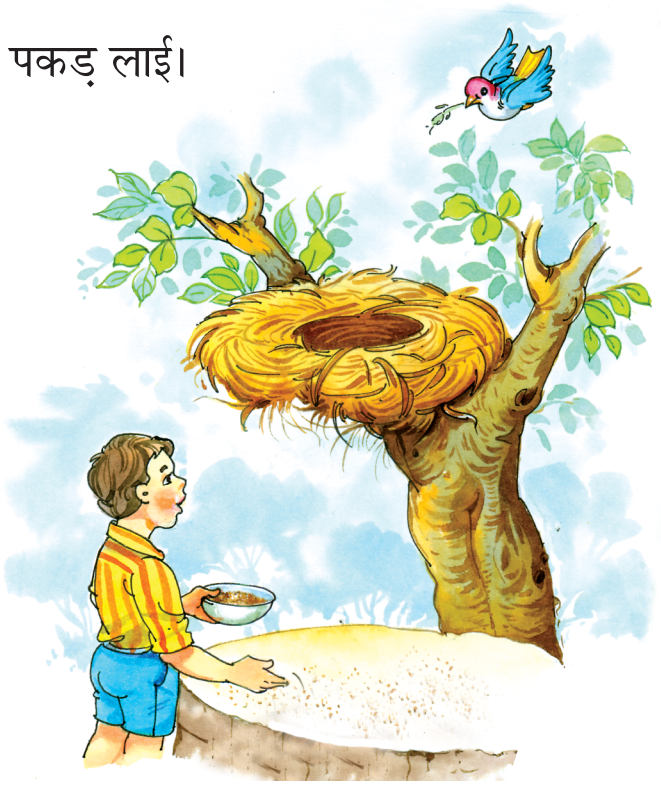

आकाश पर काला बादल छाया।
रिमझिम बारिश आ गई।
छवि छत पर आई।
फिर बारिश थम गई।

छवि साइकिल पर बाज़ार गई।
नारियल, किशमिश, मिठाई लाई।
तब अतिथि आया।
मिठाई खाकर रविवार का दिन बिताया।

अभ्यास

1. **(मौखिक) उत्तर दीजिए–**

   क. अखिल डलिया भरकर क्या लाया?

   ख. चिड़िया ने अपना घर किससे बनाया?

   ग. चिड़िया क्या खाकर उड़ गई?

   घ. छवि किस पर बाज़ार गई?

   ङ. घर में कौन आया?

   च. रविवार के दिन आप क्या–क्या करते हो?

2. **'क' स्तंभ में दिए गए अधूरे वाक्यों को 'ख' स्तंभ के वाक्यों से मिलाते हुए पूरे कीजिए–**

क	**ख**
क. रविवार का	दाना लाया।
ख. रिमझिम बारिश	पर आई।
ग. छवि छत	दिन आया।
घ. अखिल डलिया भरकर	आ गई।

3. **नीचे लिखे वाक्यों को सही क्रम दीजिए–**

   - तिनका–तिनका लाकर घर बनाया। ☐
   - फिर बारिश थम गई। ☐
   - आकाश पर काला बादल छाया। ☐
   - मिठाई खाकर रविवार का दिन बिताया। ☐

4. **पाठ में आई खाने की कोई दो चीज़ों के नाम लिखिए–**

   क. _____ ख. _____

इ (ि) मात्रा के और नए शब्द

तिनका	शिकार	बारिश	नारियल	किशमिश
माचिस	चिड़िया	रिमझिम	डाकिया	अतिथि
साइकिल	दलिया	पिघल	मिठाई	रविवार

ई (ी) मात्रा वाले शब्द

पढ़िए

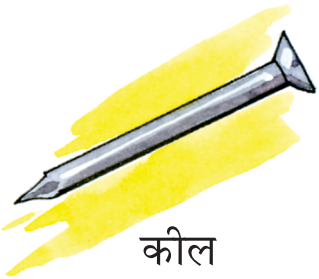

कील

दीवार

नाशपाती

घड़ी

तीर, खीर, वीर

नीली, पीली, तीली

ककड़ी, मकड़ी, लकड़ी

काली, ताली, थाली

माली, जाली

दादी, खादी

हीरा, खीरा

शीशा

जीभ

तीर

दीपक

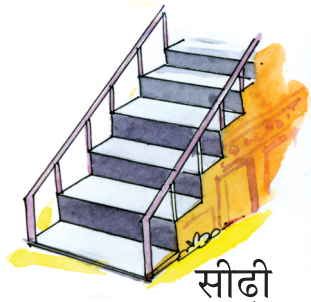

सीढ़ी

मछली

झील

चील

अध्यापन निर्देश–पाठ 'दीपावली आई' पढ़ाने से पहले दिए गए शब्दों को चार्ट पेपर पर लिखकर कक्षा में पढ़ने के लिए प्रदर्शित कीजिए। इन शब्दों में आई मात्रा पर विशेष बल दीजिए।

5. दीपावली आई

दीपावली आई।
गीता की नानी पीली साड़ी पहनकर आई।
नानी लीची, पपीता, नाशपाती, मिठाई लाई।

अब गीता की दीदी आई। दीदी खीर बनाकर लाई।
फिर गीता बाहर आई। दीवार पर दीपक सजाया।

तभी गीता की सखी दीपा आई।
मिलकर थाली सजाई।
सीता-राम जी की आरती गाई।
मिठाई, खीर, खाकर
दीपावली की बधाई दी।

अभ्यास

1. **(मौखिक) उत्तर दीजिए–**

   क. नानी कौन-से रंग की साड़ी पहनकर आई?

   ख. गीता की दीदी क्या बनाकर लाई?

   ग. गीता ने दीवार पर क्या सजाया?

   घ. गीता की सखी का क्या नाम है?

   ङ. सबने मिलकर किसकी आरती गाई?

2. **दीपावली पर आप जो-जो करते हो, उसके लिए हाँ या नहीं बताइए–**

   क. दीपक जलाते हो।

   ख. रावण का पुतला जलाते हो।

   ग. नए-नए कपड़े पहनते हो।

   घ. एक-दूसरे पर रंग डालते हो।

   ङ. एक-दूसरे को तोहफे देकर बधाई देते हो।

3. **दी गई वर्ग पहेली में से फलों के नाम ढूँढकर लिखिए–**

ली	अ	आ	म
ची	ना	ड	प
अ	ना	र	पी
क	स	भ	ता
ना	श	पा	ती

क. लीची ङ. _____

ख. _____ च. _____

ग. _____

घ. _____

ई (ी) मात्रा के और नए शब्द

पपीता	पनीर	अलमारी	लीची	साड़ी
बरफ़ी	ककड़ी	बकरी	पिचकारी	बिजली
तितली	शिकारी	लड़की	दीपावली	आरती

उ (ु) मात्रा वाले शब्द

पढ़िए

सुराही

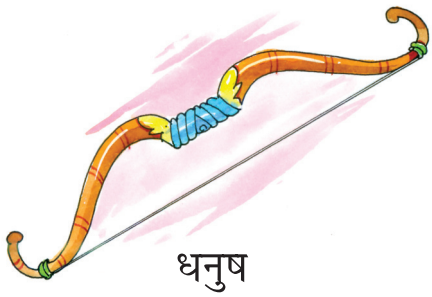

धनुष

कुरता

सुन, बुन, चुन, धुन

सुख, दुख, मुख

बुलाना, सुलाना

चुप, छुप, घुप

पुड़िया, गुड़िया

बुढ़िया, दुनिया

सुपारी, पुजारी

गुलाब

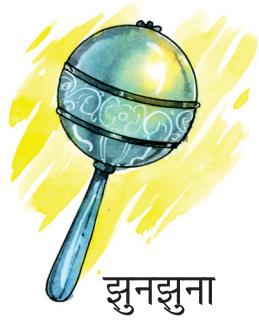

झुनझुना

दातुन

चुहिया

मुरली

गुझिया

अध्यापन निर्देश—पाठ 'गुड़िया की शादी' पढ़ाने से पहले दिए गए शब्दों को चार्ट पेपर पर लिखकर कक्षा में पढ़ने के लिए प्रदर्शित कीजिए। इन शब्दों में आई मात्रा पर विशेष बल दीजिए।

- र में उ (ु) मात्रा लगाना विशेष रूप से सिखाइए। उच्चारण पर विशेष बल दीजिए।

6. गुड़िया की शादी

बुधवार की सुबह हुई। सुमन उठी। साबुन मल, फुहारा चलाकर नहाई।

आज, गुड़िया की शादी पर उसका घर सजा। कुसुम खुशी-खुशी लाल चुनरी लाई। गुड़िया पर चुनरी डाली। कुमकुम लगाया। अब सुमन फुलवाड़ी जाकर गुलाब चुन लाई। मुनमुन भी बाज़ार जाकर गुलाबजामुन लाई।

मधुर-मधुर गीत बजाया। बुलबुल झुमका पहनकर ठुमक-ठुमक कर नाच उठी।

वाह! गुड़िया की शादी पर बहुत मज़ा आया।

अभ्यास

1. **(मौखिक) उत्तर दीजिए–**

   क. सुमन क्या मलकर नहाई?

   ख. लाल चुनरी कौन लाया?

   ग. सुमन फुलवाड़ी से क्या चुनकर लाई?

   घ. बुलबुल क्या पहनकर नाची?

   ङ. किसकी शादी पर बहुत मज़ा आया?

2. **सही कथन पर (√) का निशान लगाइए–**

   क. बुधवार की सुबह हुई। ☐

   ख. गुड़िया पर चुनरी डाली। ☐

   ग. सुमन बाज़ार जाकर गुलाबजामुन लाई। ☐

   घ. मधुर–मधुर बीन बजाई। ☐

   ङ. गुड़िया की शादी पर बहुत मज़ा आया। ☐

3. **'क' स्तंभ में दिए गए अधूरे वाक्यों को 'ख' स्तंभ के वाक्यों से मिलाते हुए पूरे कीजिए–**

क	**ख**
क. फुहारा चलाकर	नाची।
ख. गुड़िया का घर	डाली।
ग. ठुमक–ठुमक कर	नहाई।
घ. कुमकुम	सजाया।
ङ. गुड़िया पर चुनरी	लगाया।

उ (ु) मात्रा के और नए शब्द

फुहारा	पुलाव	गुलाबजामुन	सुबह	बुधवार
मधुर	फुलवाड़ी	साबुन	चुनरी	ठुमक
झुमका	रुई	रुमाल	रुपया	रुलाना

7. शाम हुई

चीं। चीं। चीं। चीं।
चिड़िया बोली।
अब मत खेलो आँख मिचौली।
शाम हुई।
अब जाओ घर।
माँ को लगता होगा डर।

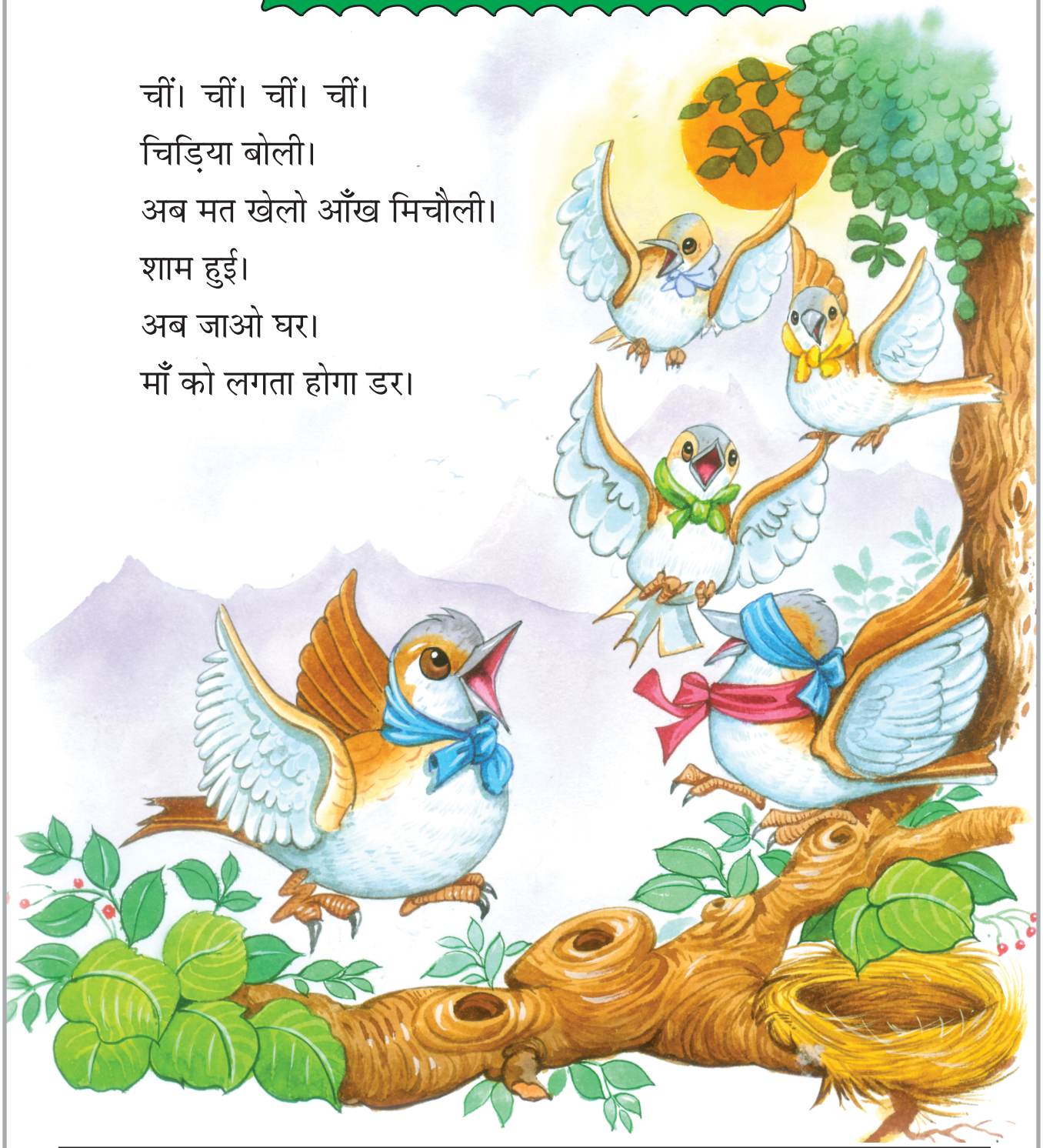

अध्यापन निर्देश—इस कविता को आप हाव-भाव के साथ बच्चों को पढ़कर सुनाइए। छात्रों के उच्चारण पर विशेष ध्यान दीजिए।

ऊ (ू) मात्रा वाले शब्द

पढ़िए

तराज़ू

सूरज

फूल

खरबूजा

भालू, कालू, कचालू

जून, खून

दूध

भूल, झूल, धूल

सूखा, भूखा

मूली

आड़ू, झाड़ू

राजू, काजू

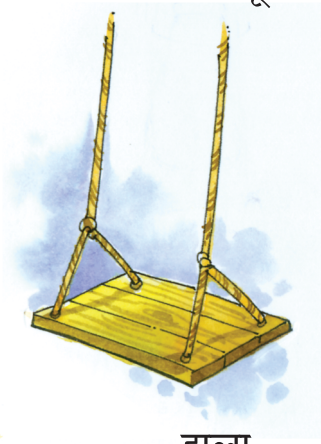
झूला

अमरुद

त्रिशूल

कबूतर

अध्यापन निर्देश–पाठ 'जादूगर का जादू' पढ़ाने से पहले दिए गए शब्दों को चार्ट पेपर पर लिखकर कक्षा में पढ़ने के लिए प्रदर्शित कीजिए। इन शब्दों में आई मात्रा पर विशेष बल दीजिए।

- र में ऊ (ू) मात्रा लगाना विशेष रूप से सिखाइए। इनके उच्चारण पर भी विशेष ध्यान दीजिए।

8. जादूगर का जादू

आज जादूगर आया। वह लाल जूता पहनकर आया।

पीला रुमाल व काली छड़ी भी लाया।

जादू शुरू हुआ।

फूलदान की तरफ़ काली छड़ी घुमाकर कहा–

'आबरा–का–डाबरा'

तभी एक कबूतर निकलकर उड़ा।

अब पीला रुमाल पकड़कर कहा–

'आबरा–का–डाबरा'

तभी एक चूहा कूदकर बाईं तरफ़ भागा।

सब ताली बजाकर खुश हुए।

तब जादूगर कमाल का जादू दिखाकर चला गया।

अभ्यास

1. **(मौखिक) उत्तर दीजिए–**

   क. आज कौन आया?

   ख. जादूगर ने क्या शुरू किया?

   ग. फूलदान से क्या निकलकर उड़ा?

   घ. पीले रुमाल से कौन कूदा?

   ङ. जादूगर ने क्या बोलकर जादू दिखाया?

2. **पाठ के आधार पर सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए–**

   क. वह लाल _____ पहनकर आया। (कमीज़/जूता)

   ख. _____ निकलकर उड़ा। (कबूतर/चूहा)

   ग. चूहा _____ बाईं तरफ़ भागा। (निकलकर/कूदकर)

   घ. कमाल का _____ दिखाकर चला गया। (चाकू/जादू)

3. **पाठ में आए 'ऊ' मात्रा के शब्दों पर घेरा लगाइए–**

   रुमाल कबूतर जादूगर घुमाकर खुश शुरू

4. **अगर आप एक दिन के लिए जादूगर बन जाएँ तो बताइए 'आबरा-का-डाबरा' कहकर आप किस-किस चीज़ को बदल देंगे।**

ऊ (ू) मात्रा के और नए शब्द

जादूगर	डमरू	तूफ़ान	कबूतर	खजूर	शहतूत	जूता
फूलदान	पूजा	रूखा	रूठा	रूप	शुरू	

ए (े) मात्रा वाले शब्द

पढ़िए

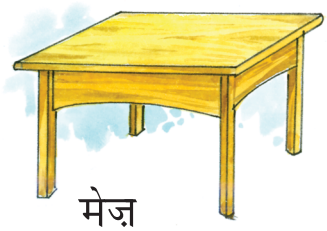

मेज़

केला

रेलगाड़ी

पेड़

खेल, तेल, बेल

देर, सेर, ढेर

बेटा, लेटा

अपने, सपने

सेवा, मेवा

सहेली, पहेली

खेत, रेत

महकते, चहकते, मटकते

उछलते, कूदते

सेब

हथेली

ठठेरा

जलेबी

शेर

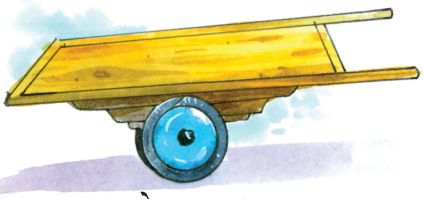

ठेला

करेला

अध्यापन निर्देश—पाठ 'मेला' पढ़ाने से पहले दिए गए शब्दों को चार्ट पेपर पर लिखकर कक्षा में पढ़ने के लिए प्रदर्शित कीजिए। इन शब्दों में आई मात्रा पर विशेष बल दीजिए।